



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 724]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 22, 2009/पौष 1, 1931

No. 724]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 22, 2009/PAUSA 1, 1931

वित्त मंत्रालय

( राजस्व विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 2009

सं. 143/2009-सीमा-शुल्क

**सा.का.नि 918(अ).**— अभिहित प्राधिकारी, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के उपशीर्ष 2834 10 10 के अंतर्गत आने वाले, चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसमें इसके पश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये गए, सोडियम नाइट्राइट (जिसे इसमें इसके पश्चात संबद्ध माल भी कहा गया है) के आयात के मामले में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 6 अप्रैल, 2000 में प्रकाशित अपने प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना सं० 39/1/99-डीजीएडी, तारीख 6 अप्रैल, 2000 में इस निर्णय पर पहुंचे थे कि—

(क) चीन जनवादी गणराज्य से भारत को सोडियम नाइट्राइट का निर्यात चाइना पीआर को उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया था जिसके कारण पाटन हुआ था ;

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई थी;

(ग) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई थी;

और, अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देश में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये, संबद्ध माल के आयातों पर अनंतिम प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की थी ;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 76/2000-सीमाशुल्क, तारीख 23 मई, 2000 जो कि सा०का०नि० 484 (अ), तारीख 23 मई, 2000, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित हुई थी के द्वारा संबद्ध माल पर, अनंतिम प्रतिपाटन शुल्क लगाया था;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी, अपने अंतिम निष्कर्षों अधिसूचना सं० 39/1/99-डीजीएडी, तारीख 3 नवम्बर, 2000 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 3 नवम्बर, 2000 में प्रकाशित हुई थी, इस निर्णय पर पहुंचे थे कि -

(क) चीन जनवादी गणराज्य से भारत को सोडियम नाइट्राइट का निर्यात चाइना पीआर को उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया था जिसके कारण पाटन हुआ था ;

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई थी;

(ग) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई थी;

और, अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देश में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये, संबद्ध माल के आयातों पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की थी ;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त अंतिम निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 147/2000-सीमाशुल्क, तारीख 19 दिसम्बर, 2000 जो कि सा०का०नि० 919 (अ), तारीख 19 दिसम्बर, 2000, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित हुई थी के द्वारा संबद्ध माल पर, अंतिम प्रतिपाटन शुल्क लगाया था;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की 9क की उपधारा (5) के अंतर्गत भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 147/2000-सीमाशुल्क, तारीख 19 दिसम्बर, 2000 जो कि सा०का०नि० 919 (अ), तारीख 19 दिसम्बर, 2000 प्रकाशित की गई थी, के तहत प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था, संबद्ध माल के आयात के मामले में अधिसूचना सं० 39/1/99-डीजीएडी, तारीख 2 दिसम्बर, 2004, के तहत प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने की समीक्षा आरंभ की थी;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी, सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) नियम, 1995 की धारा 9क की उपधारा (5) के तहत संबद्ध देश में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यातित संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क समीक्षा के सम्पन्न होने तक प्रतिपाटन शुल्क को इसके समाप्ति की तारीख से बढ़ाने की सिफारिश की थी;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त अनुरोध के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 60/2005-सीमाशुल्क, तारीख 4 जुलाई, 2005 जो कि सा०का०नि० 452 (अ), तारीख 4 जुलाई, 2005, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित हुई थी के द्वारा संबद्ध माल पर, प्रतिपाटन शुल्क तारीख 21 मई, 2006 तक बढ़ाया गया था;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी, अपने अंतिम निष्कर्षों अधिसूचना सं० 39/1/99-डीजीएडी, तारीख 1 दिसम्बर, 2005 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 1 दिसम्बर, 2005 में प्रकाशित हुई थी, इस निर्णय पर पहुंचे थे कि -

(क) चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध माल इसके सामान्य मूल्य पर प्रविष्टि हुई थी और चीन से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से काफी अधिक और ऊपर था;

(ख) यदि पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाए तो चीन से पाटन जारी रहने और अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना भी थी ।

(ग) घरेलू उद्योग के इस समय लगातार वास्तविक क्षति हो रही थी और इस वर्तमान क्षति का कारण चाइना पीआर से पाटित आयातों की मात्रा के साथ-साथ कीमत प्रभाव के कारण था;

(घ) यदि चाइना पीआर से आयातों के संबंध में शुल्कों को हटा लिया जाए तो घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना थी;

(ङ) तथापि, चीनी मूल की वस्तुओं के पुनः निर्यात अथवा यानांतरण यदि कोई हो, को चीन के विरुद्ध लगाए गए शुल्क के अंतर्गत पर्याप्त रूप से शामिल किया जाएगा ।

और, अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देश में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये, संबद्ध माल के आयातों पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क संशोधित दर पर जारी रखने की सिफारिश की थी ;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त अंतिम निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 3/2006-सीमाशुल्क, तारीख 17 जनवरी, 2006 जो कि सा०का०नि० 18 (अ), तारीख 17 जनवरी, 2006, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित हुई थी के द्वारा संबद्ध माल पर, पाँच वर्ष के लिए अंतिम प्रतिपाटन शुल्क लगाया था;

और जबकि, अभिहित प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार के, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 3/2006-सीमाशुल्क, तारीख 17 जनवरी, 2006, जो कि सा०का०नि० 18 (अ), तारीख 17 जनवरी, 2006, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित हुई थी, के तहत प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था, के आयात के मामले में अधिसूचना सं० 15/24/2008-डीजीएडी, तारीख 17 नवम्बर, 2008 के द्वारा प्रकाशित की गई थी, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की धारा 9क की उपधारा (5) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 23 के तहत प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने के मामले में मध्यावधि समीक्षा आरंभ की थी;

और जबकि अभिहित प्राधिकारी, अपने अंतिम निष्कर्षों अधिसूचना सं० 15/24/2008-डीजीएडी, तारीख 13 नवम्बर, 2009 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 13 नवम्बर, 2009 में प्रकाशित हुई थी, इस निर्णय पर पहुंचे थे कि -

(i) संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और चाइना पीआर से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर किया जा रहा है ।

(ii) रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए वर्तमान उपाय समाप्त कए जाने की स्थिति में संबद्ध वस्तु के भारतीय बाजार में पाटित कीमत पर प्रवेश किए जाने की संभावना है ।

(iii) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग की स्थिति में आगे और गिरावट आई है । इसके अलावा, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को हुई क्षति जारी रहने और उसमें वृद्धि होने की संभावना है ।

(iv) घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट चाइना पीआर से हुए पाटित आयातों के कारण आई है ।

(v) पाटनरोधी शुल्क का वर्तमान स्तर सतत पाटन और घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति के निवारण हेतु अपर्याप्त है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क में संशोधन अपेक्षित है ।

और, अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देश में मूलतः उदगमित या वहां से निर्यात किये, संबद्ध माल के आयातों पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क संशोधित दर जारी रखने की सिफारिश की है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) तथा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18 और 23 के अधीन भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 3/2006-सीमाशुल्क, तारीख 17 जनवरी, 2006, जो कि सा०का०नि० 18 (अ), तारीख 17 जनवरी, 2006 के द्वारा प्रकाशित हुई थी, को उन बातों के सिवाय जो ऐसे विखंडन से पूर्व की गई है या जिन्हें करने का लोप किया गया है, विखंडित करती है, और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त जांच परिणाम के आधार पर अधोलिखित सारणी के स्तंभ (4) में वर्णित देश में उदगमित, उक्त सारणी के स्तंभ (6) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित उत्पादकों द्वारा उत्पादित, भारत में आयात किए गए, संबद्ध मालों पर, जो कि उक्त सारणी के स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के उपशीर्ष के अंतर्गत आते हैं, जिनका विवरण उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में दिया गया है, जब उनका निर्यात उक्त सारणी के स्तंभ (5) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित देश से, उक्त सारणी के स्तंभ (7) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित निर्यातकों द्वारा किया जाए, उक्त सारणी के स्तंभ (8) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित राशि जो उक्त सारणी के स्तंभ (10) की तत्स्थानी प्रविष्टि में इंगित करेंसी में वर्णित तथा उक्त सारणी के स्तंभ (9) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित प्रति मापन इकाई में व्यक्त, तथा निर्यात किये गये माल के अवतरण मूल्य के अंतर के बराबर की राशि के समतुल्य दर पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करती है ।

## सारणी

क्रम सं	उपशीर्ष	माल का विवरण	उद्गम देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मापन इकाई	करेंसी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	2834 10 10	सोडियम नाइट्राइट	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	617.42	मीट्रिक टन	अमरीकी डालर
2	2834 10 10	सोडियम नाइट्राइट	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	कोई	617.42	मीट्रिक टन	अमरीकी डालर
3	2834 10 10	सोडियम नाइट्राइट	कोई	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	617.42	मीट्रिक टन	अमरीकी डालर

2. इस अधिसूचना के अधीन अधिरोपित प्रतिपाटन शुल्क 16 जनवरी, 2011 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, यदि उसका इससे पहले विखंडन न किया गया हो, प्रभावी होगा और भारतीय करेंसी में संदत्त होगी ।

स्पष्टीकरण:- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए-

(क) “अवतरण मूल्य” से ऐसा निर्धारणीय मूल्य अभिप्रेत है जो सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अधीन निर्धारित किया गया हो और इसके अंतर्गत उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3, धारा 8ख, धारा 9 और धारा 9क के अधीन उद्ग्रहीत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क आते हैं;

(ख) प्रतिपाटन शुल्क की संगणना के प्रयोजनों के लिए लागू विनिमय दर वह दर होगी जो सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर जारी की गई अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई है और विनिमय दर के अवधारण के लिए सुसंगत तारीख उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 46 के अधीन प्रवेश पत्र के प्रस्तुत करने की तारीख होगी ।

[फा. सं. 354/41/2000-टीआरयू (पार्ट IV)]

प्रशान्त कुमार, अवर सचिव

4684 60705-2

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd December, 2009

**No. 143/2009-Customs**

**G.S.R. 918(E).**— Whereas in the matter of import of Sodium Nitrite (hereinafter referred to as the subject goods), falling under sub- heading 2834 1010 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from, People's Republic of China (hereinafter referred to as the subject country or China PR), the designated authority in its preliminary findings vide notification No. 39/1/99-DGAD dated the 6<sup>th</sup> April, 2000, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 6<sup>th</sup> April, 2000 had come to the conclusion that –

(a) Sodium Nitrite, originating in, or exported from, China PR, had been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry had suffered material injury;

(c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject country;

and had recommended imposition of provisional anti-dumping duty on the imports of subject goods, originating in or exported from the subject country;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed provisional anti-dumping duty on the subject goods, vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.76/2000-CUSTOMS, dated the 23<sup>rd</sup> May, 2000, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 484(E), dated the 23<sup>rd</sup> May, 2000;

And whereas, the designated authority, in its final findings vide notification No. 39/1/99-DGAD, dated the 3<sup>rd</sup> November, 2000, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 3<sup>rd</sup> November, 2000, had come to the conclusion that-

(a) Sodium Nitrite, originating in, or exported from, People's Republic of China, had been exported to India below normal value resulting in dumping;

(b) the domestic industry had suffered material injury;

(c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the subject country;

and had recommended the imposition of definitive anti-dumping duty on imports of the subject goods originating in or exported from the subject country;

And whereas, on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority, the Central Government had imposed final anti-dumping duty on the subject goods *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 147/2000-CUSTOMS, dated the 19<sup>th</sup> December, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 919(E), dated the 19<sup>th</sup> December, 2000;

And whereas, the designated authority *vide* notification No. 39/1/1999-DGAD, dated the 2<sup>nd</sup> December, 2004, had initiated Sunset review, in terms of sub-section (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), in the matter of continuation of anti-dumping duty on subject goods, originating in, or exported from, the subject country imposed *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 147/2000-CUSTOMS, dated the 19<sup>th</sup> December, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 919 (E), dated the 19<sup>th</sup> December, 2000;

And whereas, the designated authority had requested for extension of anti-dumping duty on import of subject goods, originating in, or exported from, the subject country, in terms of sub-section (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), pending the completion of the Sunset review;

And whereas on the basis of the aforesaid request of the designated authority, the Central Government had extended anti-dumping duty on the subject goods up to and inclusive of 21<sup>st</sup> May, 2006, *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 60/2005-CUSTOMS, dated the 4<sup>th</sup> July, 2005 published in Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 452(E), dated the 4<sup>th</sup> July, 2005;

And whereas, the designated authority, in its final findings in Sunset review *vide* notification No. 39/1/1999-DGAD, dated the 1st December, 2005, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 1st December, 2005, had come to the conclusion that-

(a) the subject goods had entered from subject country at less than its normal value and the dumping margin of the subject goods imported from subject country were substantial and above de minimis level;

(b) there was likelihood of dumping to continue or recur from the China PR, if the duties were revoked.

(c) the domestic industry continued to suffer material injury at present and the cause of the current injury was due to the volume as well as price effect of the dumped imports from China PR;

4684 40705-3

(d) injury to domestic industry was likely to continue if the duties were revoked in respect of imports from China PR;

(e) however, re-export or trans-shipment of goods of Chinese origin, if any, would be adequately covered under the duty imposed against China PR.

and had recommended continuation of anti-dumping duty, at specified rates in respect of imports of the subject goods, originating in, or exported from the subject country in order to remove injury to the domestic industry;

And whereas on the basis of the aforesaid final findings in Sunset review, of the designated authority, the Central Government had imposed final anti-dumping duty for a period of five years on the subject goods vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.3/2006-Customs, dated the 17<sup>th</sup> January, 2006 published in Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. No.18(E), dated the 17<sup>th</sup> January, 2006;

And whereas, the designated authority vide notification No. 15/24/2008-DGAD, dated the 17<sup>th</sup> November, 2008, has initiated Mid term review, in terms of sub-section (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and in pursuance of rule 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in the matter of continuation of anti-dumping duty on subject goods, originating in, or exported from, the subject country imposed vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 3/2006-Customs, dated the 17<sup>th</sup> January, 2006 published in Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 18 (E), dated the 17<sup>th</sup> January, 2006;

And whereas the designated authority, in its final findings in mid-term review, vide notification No. 15/24/2008-DGAD, dated the 13<sup>th</sup> November, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 13<sup>th</sup> November, 2009, has come to the conclusion that-

- (i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China PR is significant and above de-minimis limits prescribed. The subject goods continue to be exported to India at dumped prices inspite of existing anti dumping duties.
- (ii) Considering the facts available on record, the subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn.
- (iii) The situation of domestic industry deteriorated further in spite of existing anti dumping duties. Further, should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to continue and intensify.
- (iv) The deterioration in the performance of the domestic industry is because of dumped imports from China PR.



- (v) The current level of anti dumping duty is insufficient to address continued dumping and consequent injury to the domestic industry and thus the anti-dumping duty is required to be modified.

and has recommended continued imposition of definitive anti-dumping duty on modified rates on imports of the subject goods originating in, or exported from, the subject country;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub- sections (1) and (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), read with rules 18 and 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 3/2006-Customs, dated the 17<sup>th</sup> January, 2006, vide number G.S.R 18(E), dated the 17<sup>th</sup> January, 2006, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the basis of aforesaid finding and recommendation of the designated authority, hereby imposes on the subject goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under sub-heading of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, as specified in the corresponding entry in column (2), originating in the country as specified in the corresponding entry in column (4), and exported from the countries as specified in the corresponding entry in column (5), and produced by the producers as specified in the corresponding entry in column (6), and exported by the exporters as specified in the corresponding entry in column (7), and imported into India, an anti-dumping duty at a rate which is equivalent to difference between the amount mentioned in the corresponding entry in column (8), in the currency as specified in the corresponding entry in column (10) and as per unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (9), of the said Table and the landed value of imported goods in like currency as per like unit of measurement.

TABLE

Sl.No.	Sub-heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	2834 10 10	Sodium Nitrite	People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	617.42	Metric Tonne	US Dollar
2	2834 10 10	Sodium Nitrite	People's Republic of China	Any	Any	Any	617.42	Metric Tonne	US Dollar
3	2834 10 10	Sodium Nitrite	Any	People's Republic of China	Any	Any	617.42	Metric Tonne	US Dollar

2. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 16<sup>th</sup> January, 2011, unless the notification is revoked earlier. The anti-dumping duty shall be paid in Indian currency.

46849109-3

*Explanation.* - For the purposes of this notification,-

(a) "landed value" means the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 8B, 9 and 9A of the said Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975);

(b) rate of exchange applicable for the purposes of calculation of anti-dumping duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, in exercise of the powers conferred by section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the relevant date for determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act.

[F. No. 354/41/2000-TRU (Pt. IV)]

PRASHANT KUMAR, Under Secy.